

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाय्यहम्।।

वृद्धि पर अनुमान

आने वाले वर्षों में भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना के दावों के बीच यहां की आर्थिक गतिविधियों के संबंध में व्यक्त किए जाने वाले अनुमान वास्तव में उत्सुकता का विषय हैं। पिछले दिनों आईएमएफ, आर्थिक सहयोग विकास संघठन व विश्व बैंक ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कटौती की है। यह बहुत विषय तो नहीं लेकिन इस बारे में विचार करने की जरूरत बताता है। ट्रंप के टैरिफ अधियान से पड़ने वाले असर तो दूलिया विषय हैं पैरिले करीब दस वर्षों के दैरण विशेष रूप से दक्षिण एशिया क्षेत्र के देशों के सामने इस मामले को लेकर जैसी चुनौतियां रही हैं, उन्हें देखते हुए वैश्विक संस्थानों-रेटिंग एजेंसियों द्वारा व्यक्त कर्तृती अनुमान एक तरह से हमें सावधान करते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अनुमानों के पीछे के कारणों पर अभी से गंभीरता के साथ ध्यान दिया जाए। आर्थिक प्राप्ति के बावजूद पिछले कुछ समय से इसे लेकर अनिश्चितता तो छाई ही हुई है, सर्वजनिक पूँजी निवेश भी प्रभावित हुआ है। चिंता का विषय यह भी है कि निवेश और उपभोग को बढ़ावा देने को करें में कटौती व व्यापक बदलावों के बाद भी निजी निवेश खत्म नहीं पकड़ रहा है। इसलिए विचार का मुद्दा यह भी है कि उद्योग और व्यापार जैसे क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ने के बाद भी आम आदमी का विकास की गतिविधियों से जुड़वा क्यों नहीं हो पा रहा है। इन गतिविधियों का केंद्र आम आदमी ही है जिसे लेकर और जिसके सहरे इनका संचालन होता है। हालांकि यह कई बहुत नियशाजनक विषय नहीं है पर इसको लेकर गंभीरता की जरूरत तो ही है जिससे आगे चलकर स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो। पिर भी उम्मीद यही की जानी चाहिए कि देश तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था बना रहेगा और वैश्विक स्तर पर आर्थिक कामकाज धीमा पड़ने के बावजूद देश के आर्थिक वृद्धि दर साथे छह प्रतिशत की दर से तो बढ़ रही सकती है। रिजर्व बैंक ने भी ऐसा ही अनुमान व्यक्त किया है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह अनुमान नियशाजनक भी नहीं माना जा सकता क्योंकि नियंत्रणों के अच्छे ढंग से कारण होने के लिए अनुकूल वातावरण भी होना तो जरूरी है। इन अनुमानों का एक सबक के रूप में लिया जाना चाहिए।

दोतरफा नुकसान

सड़क दुर्घटना देश के लिए एक गंभीर समस्या बन गयी है। यह न अस्यम लोगों की जानें ले रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी हानि पहुंचा रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री, नितिन गडकरी ने फिर कहा है कि देश में हर वर्ष 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के 1.88 लाख लोग मरे जाते हैं। इस कारण भारत को हर वर्ष सकल घेरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत नुकसान उठाना पड़ता है। यह अल्पतं गंभीर मुद्दा है। गडकरी ने यह बात नयी दिल्ली में अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉर्मस इन इंडिया (एमसीएचएम) के एक कार्यक्रम में कही। गडकरी ने माना कि देश के लिए सबसे गंभीर समस्या सड़क दुर्घटनाएं हैं। उपरोक्त आंकड़े चिंताजनक हैं, न केवल जन की हानि के लिहाज से, बल्कि इस लिहाज से भी कि इस उम्र के लोग श्रमबल के सर्वाधिक उत्पादक आयु वर्षों के लोग हैं। देश की अर्थव्यवस्था में इसी आयु वर्षों के लोग सर्वाधिक योगदान देते हैं। गडकरी ने यह भी बताया कि इन दुर्घटनाओं में हर वर्ष दस हजार किशोरों को भी अपनी जान गंवानी पड़ती है। केंद्रीय मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं को प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों में से एक माना। सड़क हादसों में मरे जाने वाले यथावत होने वालों में कितने ही लोग अपने घर के अकेले कमाने वाले सदस्य होते हैं, जिसका असर उनके पूरे परिवार पर पड़ता है। कमाने वाले की मौत होने, दुर्घटनाग्रस्त होने या अपग हो जाने पर घर की आर्थिक स्थिति तो बिगड़ती ही है, स्वास्थ्य व चिकित्सा क्षेत्र पर भी बोझ बढ़ता है। इससे परिवार की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जो अंततः देश की आर्थिकी को भी प्रभावित करती है। केंद्रीय मंत्री ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सलाहकार को सड़क दुर्घटनाओं के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार उत्तराधिकारी के रूप में दिया है। इसके अन्तर्गत विभिन्न विधियों के कारण भी दुर्घटनाएं होती हैं। दुर्घटना के अन्य कारणों में लापरवाही से ड्राइविंग, तेज गति से गाड़ी चलाना, सड़क पर अनियमित गड़े, मोड़ और यातायात नियमों की अनदेखी भी शामिल है।



काँव-काँव

आफिस आने जाने में लगते जिंदगी के कई साल नौकरी छोड़कर लोग अपनी उम्र बढ़ा सकते हैं! पहलगाम हमले के दोषियों को बख्खेंगे नहीं-मोदी। जनता सुरक्षा न दे पाने वालों को दंडित करेगी! गंगा एक्सप्रेसवे पर उत्तरेंगे लड़ाकू विमान-योगी। बिहार की चुनावी सभाओं में गर्जना सुनाई देगी! जबरन बसूली करने में आयकरकर्मी गिरफ्तार बसूली के काम को अपना समझ रहा था हुजूर! छत्तीसगढ़ में मिली नक्सलियों की रिहायशी गुफा देखना, कहीं ध्यान में बैठे हुनुमान न मिल जायें! मुंबई स्थित प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर में आग विपक्षी दलन को न सताईये, जाकी मोटी हाय!

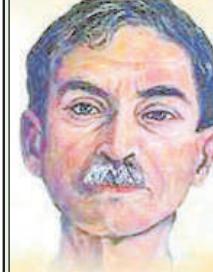
जरूरी था पाकिस्तान का पानी बंद करना

स्मिधु जल संधि को तलका 1960 को कराची में भारत के पाकिस्तान के अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। उत्तर ने इतना कठोर कदम 1965, 1971 के युद्धों और पाकिस्तान के तलकान राश्त्रिय अखंड खान ने हस्ताक्षर किए थे। विश्व बैंक ने उस संधि में मध्यस्थी की आर्थिक सम्भावनाएं देखी थीं। जिसने नियंत्रणों की धारा मोड़ सकेंगे या बड़े बांध बना कर उनकी जलधारा को नियंत्रित कर सकेंगे। वैसे में, वहां के बड़े-बड़े शहरों की जलापूर्ति बाधित हो जायेगी। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थीता में हुई थी, ऐसे में, इसके स्थितिगत होने से पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक में भारत के खिलाफ शिकायत दर्ज करेगा। पाकिस्तान में भुखमरी फैलेगी तो कई मानवाधिकार संगठन आगे आयेंगे और भारत पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाएगा। पर अब जब निर्णय ले लिया, तो कदम पीछे नहीं हटाना है।

सिंधु जल संधि पर भारत का फैसला पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध छेड़ने के बराबर है, बशर्ते भारत इसे लागू कर सके। सिंधु जल संधि स्थितिगत करने का असली प्रभाव तभी पड़ेगा, जब हम नियंत्रणों की धारा मोड़ सकेंगे या बड़े बांध बना कर उनकी जलधारा को नियंत्रित कर सकेंगे। वैसे में, वहां के बड़े-बड़े शहरों की जलापूर्ति बाधित हो जायेगी। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थीता में हुई थी, ऐसे में, इसके स्थितिगत होने से पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक में भारत के खिलाफ शिकायत दर्ज करेगा। पाकिस्तान में भुखमरी फैलेगी तो कई मानवाधिकार संगठन आगे आयेंगे और भारत पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाएगा। पर अब जब निर्णय ले लिया, तो कदम पीछे नहीं हटाना है।

सिंधु प्रभाव प्रतीत के लिए जीवन रखा था। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थीता में हुई थी, ऐसे में, इसके स्थितिगत होने से पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक में भारत के खिलाफ शिकायत दर्ज करेगा। पाकिस्तान में भुखमरी फैलेगी तो कई मानवाधिकार संगठन आगे आयेंगे और भारत पर कूटनीतिक दबाव बढ़ाएगा। पर अब जब निर्णय ले लिया, तो कदम पीछे नहीं हटाना है।

प्रेमचंद की कहानियां



ईदगाह

खिलौनों के बाद मिठाइयां आती हैं। किसी ने रेवड़ियां ली हैं, किसी ने गुलाबजामुन, किसी ने सोहनहलुआ। मजे से खा रहे हैं। हामिद उनकी बिरादरी से पृथक है। अभागे के पास तीन पैसे हैं।

क्यों नहीं कुछ लेकर खाता? ललचारी आंखों से सबकी ओर देखता है।

मोहसिन कहता है— हामिद, रेवड़ी ले जा, कितनी खुशबूदार है। हामिद को सन्देह हुआ, यह केवल क्षर विनोद है, मोहसिन इतना उदार नहीं है; लेकिन यह जानकार भी वह उसके पास जाता है। मोहसिन दोने से एक रेवड़ी निकालकर हामिद की ओर बढ़ाता है। हामिद हाथ फैलाता है। मोहसिन रेवड़ी अपने मुंह में रख लेता है। महमूद, नूरे और समी क्षुब्ध तालियां बजायाएं।

मोहसिन-अच्छा, अबकी जरूर देंगे हामिद! अल्ला कसम, ले जाव।

हामिद-रखे रहो। क्या मेरे पास पैसे नहीं हैं?

समी-तीन ही पैसे तो हैं। तीन पैसे में क्या-क्या लोगे? महमूद-हमसे गुलाबजामुन ले जाव हामिद। मोहसिन बदमाश है।

हामिद-मिठाई कौन बड़ी नेमत है। किताब में इसकी कितनी बुराइयां लिखी हैं।

मोहसिन-लेकिन दिल में कह रहे होंगे कि मिले तो खा लें। अपने पैसे क्यों नहीं निकालते?

महमूद-हम समझते हैं इसकी चालाकी। जब हमारे सारे पैसे खर्च हो जायेंगे, तो हमें ललचार-ललचाकर खायेगा।

मिठाइयों के बाद कुछ दुकानें लोहे की चीजों की हैं। कुछ गिलत और कुछ नकली गहनों की। लड़कों के लिए यहां कोई आकर्षण न था। वह सब आगे बढ़ जाता है। हामिद लोहे की दुकान पर रुक जाता ह

हेमंत पटेल की हत्या को लेकर सरदार सेना ने एसडीएम को सौंपा मांगपत्र

चनार मिर्जापुर। सरदार सेना ने ग्रामीय अध्यक्ष डॉ आर एस पटेल के निर्देश पर जिलाध्यक्ष के अनुबाहि में 6 सूत्री मांग दी। बीते 22 अप्रैल 2025 को 12वीं के छात्र हेमंत पटेल पुरुष कैलास नाथ वर्मा की हत्या के संबंध में चुनार तहसील प्रांगण में सरदार सेना के कार्यकर्ताओं ने चक्रमण करते हुए हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए उप जिलाधिकारी को 6 सूत्री मांग संबोधित ग्रामपाल को उप जिलाधिकारी को सौंपा जिसमें हत्यारों की गिरफ्तारी कर तकलीक करेंगे कर्वाई की जाए। इस मौके पर ग्रामपाल पटेल, सुनील पटेल, कृष्ण मुरारी, महेंद्र पटेल, ऋषि सिंह, टांडा पटेल, रवि पटेल, पंशुपूर पटेल, राम प्रसाद सिंह, जितेंद्र कुमार, आलोक सिंह, दिवाकर सिंह, संदीप पटेल, रणधीर पटेल, प्रिंस पटेल, आदि उपस्थित रहे।



खेत पर अकेले रह रहे किसान का शव मिलने से सनसनी

अहरौरा (मिर्जापुर)। थाना क्षेत्र के बन्दिमिलिया ग्राम पंचायत मेंनदी के किनारे सोमवार सुबह अधेड़ का गई। मृतक अपनेखेत पर झोपड़ी लगाकर अकेले रहता था। अधेड़ का शव मिलने अहरौरा पुलिस मौके पर पहुंच मौकामुआयना करके बाद मामलके तहकोकात में जुट गई है। पुलिसके अनुभाव शव के पास बाल्टी और लोटां पड़ा था, पास की जमीन भी गिली है। उधर ग्रामीणों का कहना है कि मूलतः एक आख के पास चोट लगाकर निशान है। उहाँसे हत्या की आशंका जाती है। 55 वर्षीय रोशन अंती पुत्र हवीब मूलरूप से चंदौली जिलेके चक्रघट्ठा थाना क्षेत्र के मझाई का

स्वतंत्र भारत

वर्गीकृत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम SONIA था जो अब बदलकर SONIA CHAWLA हो गया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पड़ना जाए। मेरा SONIA CHAWLA W/O- Vishal Chawla , vv Church Lane, Prayagraj UP.

सी.आर.-187/D-28

सूचना

मैंने अपने पुत्र मो 10 असद व प्रत्वरू उम्मे हरम को गलत चल-चलन व कहना न मानते के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य व लेनदेन से मेरा व मेरी परिवार का कोई वास्ता व सरकार नहीं होगा। मिस्बाहुर्रहमान पुत्र स्व० हवीबुर्रहमान मोहस्तु दलालान कस्बा व थाना जैदपुर, पराना सराखिय, तहसील नवाबांज, बाराबंकी सी.आर.-185/D-50

सूचना

सूचना मैंने अपना नाम AYESHA RIHAN AHMAD से बदलकर AYESHA AHMAD रख दिया अब इसी नाम से जाना जाए। D/0-RIHAN AHMAD 7, GULZAR COLONY NEW BERRY ROAD DIST-LUCKNOW -226001(U.P.) सी.आर.-184/L-25

सूचना

सूचना मैंने अपना नाम MOHD ISHQ से बदलकर MOHAMMAD ISHAQAH रख दिया अब इसी नाम से जाना व पर्याप्त जाए। R/0-252 KOURA HARBANGANJ DIST-AMETHI-229304(U.P.) सी.आर.-184/L-25

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम ANSHIKA PANDEY के मार्कसिट में पिता का नाम SATYENDR NATH PANDEY द्वारा अपनी जाता है वास्तविक नाम SATYENDRA NATH PANDAY सही है। सूचना मैंने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम सागर सोनी एवं पुत्र-वधु सुगन्धा मल्ल को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वधु जीवनी भी अपनी जाता है।

सूचना

सूचना मैंने पूरी नाम जज जो जाता है कि मैंने अपने पुत्र शुभम स

